Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-105

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

B.A. Darshan, Semester : First
संस्कृत : प्रश्न-पत्र : पंचम्
संस्कृत साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. संभूति और असंभूति का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इनसे तम और गहन तम में प्रवेश का क्या अभिप्राय है, स्पष्ट करें।

2. अनेजदेकं मनसो जवीयो नैनद्देवा आप्नुवन्पूर्वमर्षत्।
तद्धावतोऽन्यानत्येति तिष्ठत्तस्मिन्नपो मातरिश्वा दधाति।।
– की सुस्पष्ट व्याख्या कीजिए।

3. 'यद्वाचानभ्युदितं येन वागभ्युद्यते।
तदेव ब्रह्म त्वं विद्धि नेदं यदिदमुपासते।। – की विवेचना कीजिए।

4. 'तिस्रो रात्रीर्यदवात्सीर्गृ हे मेऽनश्नन् ब्रह्मन्नतिथिर्नमस्यः।
नमस्तेऽस्तु ब्रह्मन्स्वस्ति मेऽस्तु तस्मात्प्रति त्रीन्वरान्वृणीष्व।।
– इस मन्त्र की युक्तियुक्त व्याख्या कीजिये।

5. 'नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः।
उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्त्वनयोस्तत्त्वदर्शिभिः।।
– इस पद्य की दार्शनिक व्याख्या कीजिये।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

1. 'विद्यां चाविद्यां च यस्तदवेदोभयं सह।

   अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते।।' – की व्याख्या कीजिये।

2. 'केनेषितं पतति प्रेषितं मन .....' मन्त्र की पूर्ति करते हुए अर्थ लिखिये।

3. यम–नचिकेता संवाद का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।

4. शतायुषः पुत्रपौत्रान् वृणीष्व बहून्पशून्हस्तिहिरण्यमश्वान्।

   भूमेर्महदायतनं वृणीष्व स्वयं च जीव शरदोयावदिच्छसि।। – की व्याख्या कीजिये।

5. 'न जायते म्रियते वा .....। – इस श्लोक को पूर्ण करते हुए अर्थ भी लिखिये।

6. 'यज्ञार्थात्कर्मणोऽन्यत्र .....। – इस श्लोक को पूर्ण करते हुए अर्थ भी लिखिये।

7. गीता के अनुसार कर्म सिद्धान्त की समीक्षा कीजिये।

----------x----------